सोमार्थ सामुदायिक सलाहकार बोर्ड की तीसरी बैठक कार्यवाही विवरण

बैठक की दिनांक : **अक्टूबर 7, 2024**

बैठक का स्थान : **सोमार्थ ऑफिस, पलवल**

बैठक का समय : **दोपहर 1:00 बजे से 4:00 बजे**

बैठक में उपस्थित बोर्ड के सदस्यगण:

1. श्रीमती मधु चौधरी, जिला आशा समन्वयक, पलवल
2. श्री नजमूस साकिब, जिला ग्रामीण विकास एजेंसी, लघु सचिवालय, पलवल
3. श्रीमती मीनल, ब्लॉक आशा समन्वयक, हथीन
4. श्री मंजीत सिंह, सरपंच, ग्राम पंचायत दुर्गापुर
5. श्री नरेंद्र सिंह, पूर्व सरपंच, ग्राम पंचायत गहलब
6. श्री महावीर शर्मा, पूर्व सरपंच ,ग्राम पंचायत बामनीखेड़ा
7. श्री रामप्रसाद, पूर्व सरपंच, ग्राम पंचायत बहीन

8. श्री याहान खान, सरपंच, ग्राम पंचायत खिल्लुका
9. श्री मुकुट लाल शर्मा, मनोनीत सदस्य चिरावटा
10. श्री अरूण जेलदार, मनोनीत सदस्य सौंद
11. श्रीमती आशा रानी, एएनएम, मनोनीत सदस्य, स्वास्थ्य विभाग
12. श्री रमेश, नम्बरदार गुरासकर

बैठक में उपस्थित इनक्लेन एवं सोमार्थ स्टाँफ:

1. प्रोफेसर (डाँ.) नरेंद्र कुमार अरोड़ा
2. डाँ. मनोज कुमार दास
3. डाँ. वैशाली देशमुख
4. डाँ. शिखा दीक्षित
5. डाँ. अभिषेक अग्रवाल
6. डाँ, पिंकी शर्मा
7. श्री राकेश कुमार सिंह
8. डाँ. मोहन सिंह
9. श्री गौरव बनियाल
10. श्री विरेंद्र सिंह

कार्यवाही विवरण:

कार्यक्रम की शुरूआत दोपहर 1:00 बजे हुआ, सबसे पहले इनक्लेन सोमार्थ के मुखिया प्रोफेसर डाँ नरेंद्र कुमार अरोड़ा जी ने उपस्थित बोर्ड के सभी सदस्यों का सोमार्थ परिवार की तरफ से आज की बैठक में भाग लेने के लिए अभिवादन किया, उनके सहयोग के लिए आभार प्रकट किया और उन्होंने यह भी बताया कि यह पिछले 15 वर्षों का सोमार्थ का सफर आप लोगों के सहयोग के बिना संभव नहीं होता और उन्होंने आशा प्रकट की कि इसी तरह से आप सभी का प्यार, सहयोग हमें आगे भी मिलता रहेगा। इसके बाद उन्होंने उपस्थित बोर्ड के सदस्यों सहित सभी लोगों को अपना-अपना परिचय देने के लिए आग्रह किया और सभी ने अपना-अपना परिचय दिया।

इसके बाद डाँ शिखा दीक्षित ने प्रोफेसर डाँ अरोड़ा जी का धन्यवाद किया और आज के कार्यक्रम के बारे में बताया।

आज की बैठक के प्रमुख मुद्दे (विषय):

- सोमार्थ द्वारा किए गए कार्यों से बोर्ड के सदस्यों को अवगत कराना,
- स्वास्थ्य कार्यक्रमों में सोमार्थ की भागीदारी एवं योगदान,
- समुदायों लोगों के अनुसार स्थानीय स्वास्थ्य की प्राथमिकताएँ,

- सोमार्थ के पंद्रहवे स्थापना दिवस की जानकारी एवं बोर्ड के सदस्यों को भाग लेने के लिए आमंत्रित करना,
- आज की मीटिंग की महत्वपूर्ण बातों का संक्षेप में बताना एवं काम के दौरान आने वाली चुनौतियां,
- बोर्ड को अगली मीटिंग के विषय में सदस्यों को अवगत कराना एवं धन्यवाद,
- भोजन (लंच)

डॉ शिखा दीक्षित ने संबोधन के साथ निमोनिया प्रोजेक्ट के विषय में संक्षिप्त जानकारी दी। उन्होंने इस प्रोजेक्ट में किए गए कार्य (खिल्लुका, सेवली और रहराना) में 40,000 विजिट्स तथा कार्यप्रणाली की जानकारी दी। उन्होंने संचारी और गैर संचारी बीमारियाँ तथा ब्लड प्रेसर, शूगर, मोटापा और बीमारियों के बोझ के विषय में जानकारी प्रदान की। इसके साथ-साथ उन्होंने डिमेंशिया प्रोजेक्ट के विषय में बताया तथा वैक्सीन परीक्षण निगरानी के विषय में भी जानकारी प्रदान की। डॉ शिखा दीक्षित ने प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना की जानकारी दी। सोमार्थ द्वारा 51 गाँवों में 5,436 जन आरोग्य कार्ड बनाए गए यह जानकारी साझा की जिसमें इस वर्ष 1,226 कार्ड नए बनाए गए। खटैला क्लीनिक अभी सुचारू रूप से चल रहा है यह जानकारी भी समुदाय की इस मीटिंग में साझा की। यहाँ पर रोजना 45 नए मरीज व 20 पुराने मरीज दवाई लेने और डॉक्टर से सलाह लेने आते हैं। इसके साथ ही डॉ नरेंद्र कुमार अरोड़ा जी ने जन औषधी केंद्र खटैला में खोले जाने की घोषणा की और बताया कि यहाँ दवाईयाँ छूट पर दी जाएगी। इसी क्रम में डॉ शिखा दीक्षित ने तपेदिक (टी.बी.) प्रोग्राम की जानकारी दी। सोमार्थ के द्वारा 780 टी.बी. मरीजों को पोषण किट प्रदान की जा रही है जिसमें 1.5 किलो दाल और 200 मि.ली. सरसों का तेल प्रतिमाह दिया जाता है। टी.बी. के 526 मरीज (43 पंचायतों) में लाभान्वित किए जा चुके हैं। जून 2024 तक 419 नए टी.बी. मरीज सोमार्थ से लाभ ले रहे हैं। इस कार्य के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा (प्रमाण पत्र) सराहना के लिए सोमार्थ को दिया गया। डॉ शिखा दीक्षित ने लक्ष्य प्रोग्राम के विषय में विस्तृत जानकारी दी।

इसके साथ-साथ डॉ शिखा दीक्षित ने संस्थागत प्रसव के दौरान परेशानियों के विषय में निम्न बिंदुओं के विषय में जानकारी दी जिसके मुख्य तथ्य थे-

- गर्भवती महिलाओं और उनके परिजनों को होने वाली असुविधाओं और स्वास्थ्यकर्मियों के अच्छा व्यव्हार नहीं करने की मुख्य समस्या है।
- अस्पलात में साफ-सफाई की कमी।
- प्रसव के दौरान जाँच का विवरण व उनका आंकलन ठीक से नहीं करना।
- इसी क्रम में इन समस्याओं के सुधार के लिए स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर सोमार्थ इन सभी के सुधार के लिए प्रयासरत है ताकि महिलाओं के प्रसव की प्रसव की स्थिति बेहतर हो सके। सोमार्थ क्षेत्र के प्रसव केंद्रों को राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाया जा सके।

- 5 साल तक के बच्चों में होने वाली बीमारियों के विषय में डॉ शिखा दीक्षित ने आधुनिक प्रबंधन की जानकारी साझा की।
- डॉक्टर के दिशा-निर्देश के अनुसार 94% बच्चों को 5 दिन की एंटीबयोटिक देकर घर पर ही ठीक किया जा सकता है।
- 6 % बच्चों को ही अस्पताल में भर्ती कराने की आवश्यकता होती है।
- 1 साल से छोटे बच्चे जिसमें कुपोषण की शिकायत हो या जो दस्त से ग्रसित हो उनको ही भर्ती कराने की आवश्यकता होती है।

इसी क्रम में प्रोफेसर डॉ नरेंद्र कुमार अरोड़ा जी ने बताया कि-

- 75 % माता-पिता बच्चों को अस्पताल में भर्ती नहीं करवाते।
- केवल 25% बच्चों की मृत्यु का कारण निमोनिया है।
- निमोनिया में मुख्य भूमिका एनएम की होती है।

आगे की प्रणाली में डॉ शिखा दीक्षित ने रक्तचाप के विषय में जानकारी दी।

- 20 से कम- 20 में से 1
- 20 से 39- 10 में से 1
- 40 और 40 से अधिक- 4 में से 1

इसी क्रम में प्रोफेसर डॉ नरेंद्र कुमार अरोड़ा जी ने बताया कि रक्तचाप जीवनशैली से जुड़ी बीमारी है जिसका मुख्य कारण चीनी, घी, नमक तथा शारीरिक क्रियाकलाप की कमी या व्यायाम नहीं करना मुख्य है। इसके लिए उन्होंने बताया कि 10 अक्टूबर 2024 को सोमार्थ के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में रक्तचाप से बचाव के विषय में विशेषज्ञ से जानकारी प्राप्त करेंगे। रक्तचाप में लकवा, हृदयघात तथा मृत्यु भी हो सकती है। सोमार्थ द्वारा किए गए शोध में 10,000 लोगों का रक्तचाप की जाँच की गई। इसके अलावा मानसिक तनाव ब्लड प्रेसर का मुख्य कारण है तथा फास्ट फूड का सेवन भी इसी का एक कारण है।

इसके बाद डॉ शिक्षा दीक्षित ने बुखार के विषय में जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि-

- बुखार 6 प्रकार का होता है (चिकनगुनिया, डेंगू आदि)।
- सेरोसर्विलांस खिल्लुका, सेवली और रहराना में कराया गया।

आगे डॉ शिखा दीक्षित ने डिमेशिया के बारे में बताया कि 6,441 प्रतिभागियों का मानसिक और शारीरिक परीक्षण किया जा चुका है जिसमें 10% शिक्षित तथा 15% अशिक्षित प्रतिभागियों में डिमेंशिया की पुष्टि हुई है। जिसके बाद डॉ पिंकी शर्मा ने डिमेंशिया की संपूर्ण जानकारी प्रदान करते हुए बताया कि पुरूषों के मुकाबले घरेलू महिलाओं में डिमेंशिया ज्यादा होता है घरेलू महिलाओं में वह महिलाएँ शामिल हैं जो घरेलू कामकाज करती हैं, जो घर से बाहर बहुत कम जाती हैं, लोगों से बातचीत बहुत कम करती हैं सामान्य तौर पर जिनका सामाजिक संवाद यानि Social interaction बहुत कम होता है उनमें डिमेंशिया होने की संभावना बढ़ जाती

है। इसके आगे डॉ शिक्षा दीक्षित ने सामुदायिक स्तर पर अस्पताल में भर्ती तथा मृत्यु दर के विषय में जानकारी साझा की जिसमें उन्होंने बताया कि 12 गाँवों में सर्विलांस का कार्य किया गया जिसमें 1000 लोगों में से 20 लोग अस्पताल में भर्ती हुए और 1000 में से 1/3 लोगों की मुत्यु हुई।

डॉ नरेंद्र कुमार अरोड़ा ने बी.पी, शूगर और निमोनिया के विषय में जानकारी दी:

- डॉ नरेंद्र कुमार अरोड़ा ने बताया कि 2300 में से 50 बच्चों की मृत्यु निमोनिया से होती है जिसमें इन बच्चों को निमोनिया के साथ डायरिया, कुपोषण आदि भी होता है।
- खटैला क्लीनिक से बी.पी. के गंभीर मरीजों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा जाता है।
- आगे डॉ मोहन सिंह ने बताया कि क्लीनिक पर 55% मरीज बी.पी. और शूगर के आते हैं किंतु एक बार दवाई ले जाने के बाद वह दोबारा नहीं आते हैं। बी.पी. और शूगर से मरीज को दिमाग, लीवर, गुर्दे, ह्रदय तथा आँखों की समस्या हो जाती है।

इसी क्रम में डॉ अभिषेक अग्रवाल ने आगे की कार्यप्रणाली के विषय में जानकारी दी-

- लक्ष्य प्रोग्राम (अगले 2 वर्ष)- संस्थागत प्रसव में सुधार के लिए कार्य के लिए सरकारी अस्पताल पलवल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हथीन, दूधौला, दीघौट आदि के साथ मिलकर सुधार कार्य किया जाएगा।
- प्रसव पूर्व तथा प्रसव के दौरान मृत्यु के विषय में जानकारी प्रदान की जिसमें 60% मृत्यु की जानकारी होती है तथा 40% के विषय में जानकारी नहीं होती है।
- आपातकालीन सुरक्षा- इसके लिए नूंह मेडिकल कॉलेज तथा सरकारी अस्पताल पलवल के साथ मिलकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र व प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर कार्य किया जा रहा है।
- अस्पलात में भर्ती व मृत्यु के कारणों की जानकारी के विषय में भी कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में वैक्सीन लगने से पूर्व और वैक्सीन लगने के पश्चात् मृत्यु कारणों की खोज की जा रही है।
- निमोनिया के 5 वर्ष से ऊपर के बच्चों में भी कारण तथा अस्पताल में भर्ती होने के कारणों पर कार्य चल रहा है।

1- वैक्सीन ट्राँयल- ट्राँयल में सोमार्थ के द्वारा हमेशा फेस-3 व फेस-4 वैक्सीन प्रयोग की जाती है। अभी सरवाइकल कैंसर की वैक्सीन का ट्रायल हो चुका है जिसमें-

- सोमार्थ वैक्सीन ट्राँयल के लिए जिम्मेदारी लेता है।
- वैक्सीन लगने के पश्चात् पूर्ण रूप से फोलोअप किया जाता है।

- वैक्सीन ट्रॉयल में गुरूनानक अस्पताल व नलहड़ मेडिकल कॉलेज सहयोगी है।

2- महिलाओं में मल्टीपल माइक्रोन्यूट्रिएंट सप्लीमेंट- एनिमिया के विषय में संपूर्ण जानकारी साझा की गई और आगे के 1 वर्ष की कार्यप्रणाली की जानकारी दी।

सरपंच श्री महावीर शर्मा मृत्युदर से संबंधित प्रश्न पूछे:

इन्होंने कोविड-19 वैक्सीन से होने वाले मृत्युदर के विषय में सवाल किया जिसके उत्तर में डॉ नरेंद्र कुमार अरोड़ा ने बताया कि एम्स (नई दिल्ली) के द्वारा शोध किया जा चुका है जिसमें जिन्होंने वैक्सीन लगवाई है तथा नहीं लगवाई है उनके विषय में जानकारी ली गई है। ICMR के द्वारा एक शोध में कोविड वैक्सीन के प्रभाव देखे जा रहे हैं।

- आगे डॉ नरेंद्र कुमार अरोड़ा ने बताया कि वह ब्राजील से भी संस्थागत तथा मृत्युदर और निमोनिया की जानकारी साझा करेंगे।
- एएनएम ने बताया कि मरीज बी.पी की दवाई एक बार ले जाते हैं लेकिन वह दोबारा लेने नहीं आते हैं तथा थोड़ा आराम होने पर दवाई खाना छोड़ देते हैं वह दवाई नहीं खाते हैं।
- महावीर जी ने बी.पी के विषय में जानना चाहा जिसके उत्तर में डॉ अरोड़ा ने बताया कि बी.पी और शूगर के लिए रोजाना दवाई खाना अनिवार्य है। यह बीमारियाँ साइलेंट किलर हैं। ह्रदय की नसें सिकुडने से ह्रदयघात होता है। टैबलेट डिपिन बी.पी कंट्रोल के लिए दी जाती है। एएनएम व सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी को इलाज के लिए ट्रेनिंग दी जाती है और यह उचित इलाज देने के लिए सक्षम हैं। दवाई एएनएम, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी व डॉक्टर की देखरेख में ही लेनी चाहिए। साथ में अगर कोई आयुर्वेदिक या घरेलू उपचार ले रहे हैं तो वह ले सकते हैं।
- डॉ अरोड़ा ने बॉडी मास इंडेक्स के विषय में बताया कि स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए सोमार्थ स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर की जाने वाली कार्यप्रणाली के विषय में बताया।
- डॉ अरोड़ा ने सरवाइकल कैंसर के विषय में बताया कि इसका कारण वाइरस है। जिसमें 9 से 14 और 15 से 24 आयु वर्ग सम्मिलित है जिसे सोमार्थ ने बिना किसी पैसे के लगाया जिसकी बाजार में कीमत 3 से 4 हजार है। इसे राष्ट्रीय कार्यक्रम बनाने का प्रावधान है। सोमार्थ द्वारा सरवाइकल कैंसर की वैक्सीन का ट्रायल हो रहा है।

श्री मुकुट जी ने परिवार नियोजन के विषय जानकारी दी और बताया कि परिवार नियोजन आजकल के समय में कितना जरूरी है।

श्री अरूण जेलदार ने बच्चों तथा गर्भवती महिलाओं में मोबाइल की लत के विषय में जानकारी साझा की और बताया कि-

- सोमार्थ के द्वारा किए जा रहे कार्यों तथा आगे के कार्यों के लिए स्टाँफ को सहयोग करने की बात कही।
- अस्पताल की सुविधाओं के विषय में जानकारी दी।
- बच्चों को अच्छे व बुरे कार्य समझाने की अपील की।
- शिक्षा में सुधार के बारे में बताया।
- बच्चों की प्रति माता-पिता को पूर्ण रूप से जिम्मेदारी के साथ बच्चों के विकास के लिए व समाज कल्याण सामुदायिक विकास के लिए कार्य करने के लिए प्रेरित करता है। जीवन शैली के सुधार में सुधार करना है ताकि स्वस्थ जीवन जिया जा सके। जीवन में गीता को शामिल किया जाना चाहिए। गौ माता के विषय में जानकारी दी। पानी की मुद्दा सरकार के सामने उठाने की अपील की क्योंकि इस क्षेत्र में पानी की समस्या अधिक है।

आशा प्रभारी मधु जी ने जागरूकता कार्यक्रम चलाने की अपील की।

डाँ नरेंद्र कुमार अरोड़ा जी ने स्थानीय संदर्भ के विषय में तथा सामाजिक व्यवस्था विषय पर जानकारी दी। बिहार के पूर्णिया जिले में चल रही 2 माह से कम के बच्चों की शिक्षा के शोध के विषय में जानकारी प्रदान की। साथ ही उन्होंने बताया कि लक्ष्य प्रोजेक्ट 6 साइटों पर चल रहा है जिसमें पलवल, जामनगर, मदुरई, पटना, मेघालय और बरेली शामिल है। जेलदार जी ने एक बार फिर पानी के मुद्दे को उठाने की अपील की जिसके बाद डाँ अरोड़ा ने बताया कि पलवल में पानी सबसे अधिक दूषित है क्योंकि कीटनाशक अधिक इस्तेमाल हो रहे हैं। जमीनी पानी का स्तर नीचे जा चुका है। अंत में डाँ नरेंद्र कुमार अरोड़ा जी ने आमंत्रण और निमंत्रण पर प्रश्न किया तथा उसके उत्तर में बताया कि:

- आमंत्रण- किसी के घर व्यक्तिगत तौर पर जाना।
- निमंत्रण- किसी को औपचारिकतापूर्वक बुलाना।

इन शब्दों के साथ डाँ नरेंद्र कुमार अरोड़ा ने सभी अतिथियों को सादर आमंत्रण दिया। सभी को साधुवाद धन्यवाद दिया।

अंत में डाँ पिंकी शर्मा ने सभी का धन्यवाद किया और आगामी 10 अक्टूबर सोमार्थ स्थापना दिवस के लिए सभी सामुदायिक सलाहकार बोर्ड के सदस्यों को आमंत्रित किया इसके अलावा श्रीमती मधु चौधरी ने जागरूकता को लेकर सवाल किए जिसके उत्तर में डाँ. पिंकी शर्मा ने बताया कि जागरूकता फैलाने के लिए सोमार्थ ने अपने चौदवें स्थापना दिवस में 10 स्कूलों में "एनीमिया" विषय पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया था जिसके बाद बच्चों के उत्साहवर्धन के लिए एसपी द्वारा प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त कए हुए विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी "जीवन शैली और स्वास्थ्य" विषय पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है जिसमें

विद्यार्थियों के हौसला बढ़ाने के लिए पुरस्कृत किया जाएगा और प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को नगद पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा जिसमें प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी को 1000 रूपए द्वितीय तो 750 रूपए और तृतीय को 500 रूपए का नगद पुरस्कार दिया जाएगा और तीसरी सामुदायिक बैठक का समापन ग्रुप फोटो के साथ हो गया।